IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 2, November 2024

पंडित दीनदयाल उपाध्याय और उनके विचार: एक व्यापक विश्लेषण

अनिल कुमार दुबे[1] and डॉ. ज्योति रानी झा [2]

शोधार्थी, विभाग हिंदी[1]

सह - प्राध्यापक, विभाग हिंदी[2]

सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान

सारांश

आज की आधुनिक दुनिया एक ऐसे मॉडल की तलाश कर रही है जो अपने आप में एकरूप, एकीकृत और टिकाऊ हो। एकात्म मानववाद में वे गुण हैं जो दुनिया को पंक्ति में अंतिम व्यक्ति तक विकास की ओर ले जा सकते हैं। यह उपभोक्तावाद के नकारात्मक प्रभाव से निपटने में प्रभावी रूप से काम करेगा जिसका सामना भारत में समाज कर रहा है, लोग अपनी ज़रूरत के हिसाब से सामान और सेवाएँ नहीं खरीदते हैं बल्कि दूसरों को दिखाते हैं।

मुख्य शब्द : राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय राजनीति, सामाजिक समरसता, आर्थिक दर्शन, स्वदेशी चिंतन, नैतिकता, आत्मनिर्भरता।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/568